तर्ज- तेरी दुनिया में दिल लगता नहीं

तेरी माया में दिल लगता नहीं हमको छुड़ा ले
मेरे प्रीतम तरस मेरी बिगड़ती हालत पे खा ले

1- बहार आई तो बस बृज में,रही जो रास तक थोड़ी
मगर अब दुनियां ने तो इश्क ईमान के पर नोंच डाले

2- भंवर में हैं फंसी अंगना का दिल अश्कों में डूबा
यहां पर कौन है आंसू हमारे जो पोंछ डाले

3- तेरी मर्जी जो यह ही है तो हम यूं ही गुजारेंगे
न शिकवा लब पे लायेंगे छुपा लेंगे दिल के छाले

4- मेरी आहें मेरे नाले मुझे ही राख करते हैं
तुझे फुर्सत है तो आ के मुझे गले से लगा ले

5- मेरे महबूब निसवत है मेरी तुमसे तुम आ जाओ
तेरी निसवत का तुझको वास्ता निसवत को अपना ले

Nijanand App